

प्रेषक,

अर्जुन सिंह  
संयुक्त सचिव  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,  
जनपद देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-३

देहरादून

दिनांक : ३१ दिसम्बर २००४

विषय: प्रा०स्वा०केन्द्र दुधली जनपद देहरादून के भवन निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं०-७५/१/पी.एच.सी./३७/२००३/२५३८२ दिनांक ११.१०.२००४ के संदर्भ में एवं शासनादेश सं०-१४७९/चि०-३-२००३-१६९/२००३ दिनांक २९.११.२००३ के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय द्वारा वित्तीय वर्ष २००४-२००५ में प्रा० स्वा० केन्द्र दुधली जनपद देहरादून के भवन निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु संलग्नानुसार रु० १३,७७,०००-०० (रु० तेरह लाख सत्तहत्तर हजार मात्र) की धनराशि की व्यय हेतु सहर्ष स्वीकृति प्रदान की जाती है।-

२- प्रत्येक कार्य पर धनराशि का व्यय सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर किया जायेगा तथा कार्य की अनुमोदित लागत तक ही रुका जाएगा। स्वीकृति संबंधी मूल शासनादेश की सभी शर्तें यथावत रहेंगी।

३- उक्त धनराशि कोषागार से सावक आहरित की जायेगी तथा निर्माण इकाई क्षेत्रीय, प्रबन्धक उ०प्र० समाज कल्याण निर्माण निगम उत्तरांचल को उपलब्ध करायी जायेगी। कार्य प्रारंभ करने से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन आवश्यक प्राप्त कर लिया जाये। स्वीकृत धनराशि का उपभोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा। अतिरिक्त धनराशि की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय नहीं किया जायेगा।

४- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित माउचर संख्या व दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी।

५- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित हस्त पुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों एवं बजट अनुमति व शासन द्वारा निताव्ययता के संबंध में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

६- धनराशि उन्ही मदों पर व्यय की जाय जिसके लिये स्वीकृति की जा रही है।

७- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में प्रत्येक माह की ०१ तारीख तक शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।

८- उक्त व्यय वर्ष २००४-०५ के अख्य-व्ययक में अनुदान संख्या -१२ के लेखाशीर्षक ४२१०- चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय- आपाजनागत -०२ ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ -१०३ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र-९१-जिला योजना -०१ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जाना (जिला योजना) २४-घरों निर्माण कार्य के अन्तर्गत सुसंगत इकाईयों के नामे होना जायेगा।

९- यह आदेश वित्त विभाग के असा० सं०-१०८३/वित्त अनुमान-२/२००४ दिनांक १७.१२.२००४ में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक यथोक्त।

भवदीय

( अर्जुन सिंह )  
संयुक्त सचिव

संख्या व दिनांक तदैव

प्रातिपदि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- १- महालेखाकार, उत्तरांचल, माऊर देहरादून।
- २- निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल देहरादून।
- ३- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- ४- जिलाधिकारी, देहरादून।
- ५- महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तरांचल देहरादून।
- ६- क्षेत्रीय प्रबन्धक उ०प्र० समाज कल्याण निर्माण निगम उत्तरांचल।
- ७- निजी सचिव मा० मुख्य मुख्यमंत्री।
- ८- वित्त अनुमान-२/नियोजन विभाग/एन.आई.सी.
- ९- मार्ट फाइल।


आज्ञा है  
( अर्जुन सिंह )  
संयुक्त सचिव।

शासनादेश सं० 847 / XXV III-(3)-2004-169 / 2003 दिनांक २२.०३.२००४ का संलग्नक

(धनराशि लाख रु० में)

क्र. सं०	कार्य का नाम	कार्य की लागत	अब तक अवमुक्त धनराशि	वर्ष 2004-05 में स्वीकृत धनराशि
1	2	3	4	5
	प्रा०स्वा०केन्द्र दुधली जनपद देहरादून के भवन निर्माण	33.77	20.00	13.77

(रु० तीरह लाख सतहत्तर हजार मात्र)

  
( अर्जुन सिंह )  
संयुक्त सचिव।